

डॉ. वेंडी एल. विडर, डैनियल, सत्र 1, डैनियल का परिचय

© 2024 वेंडी विडर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. वेंडी विडर हैं, जो डैनियल की पुस्तक पर अपना अध्यापन दे रही हैं। यह सत्र 1 है, डैनियल का परिचय।

मेरा नाम वेंडी विडर है, और मैं इस पाठ्यक्रम को पुराने नियम की डैनियल की पुस्तक पर पढ़ाऊंगी। मेरे पास दक्षिण अफ्रीका के फ्री स्टेट विश्वविद्यालय से प्राचीन निकट पूर्वी अध्ययन में पीएचडी, मैडिसन में विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय से कला में स्नातकोत्तर और ग्रैंड रैपिड्स, मिशिगन में ग्रैंड रैपिड्स थियोलॉजिकल सेमिनरी से धर्मशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री है। मैं पिछले एक दशक से डैनियल की पुस्तक पर अध्यापन और लेखन कर रही हूँ।

और अगर मैं आपके प्रति ईमानदार हूँ, तो मैं आपको बताऊंगा कि मैं अपनी पसंद से नहीं, बल्कि किताब में आया हूँ। पुराने नियम में जिन पुस्तकों का मैं गहराई से अध्ययन करना चाहता था, उनमें डैनियल सचमुच नीचे था। यह शायद अय्यूब के साथ वहीं था।

यह कोई पसंदीदा किताब नहीं थी और इसका एक हिस्सा यह है कि मैं एक ऐसी परंपरा में पला-बढ़ा हूँ जो डैनियल की किताब को कई तरीकों से पेश करती है जैसे कि यह अंत समय को चार्ट करने का एक तरीका था। और इसलिए, भविष्यवाणियाँ थीं, और प्रदान की गई पुस्तक का दूसरा भाग, आप इसे समाचार कहानियों के साथ जोड़ सकते हैं। और ईमानदारी से कहूँ तो कुछ मायनों में यह मेरे लिए डरावना था और यह हतोत्साहित करने वाला भी था क्योंकि ऐसा लग रहा था कि वे भविष्यवाणियाँ पुरानी हो जाएंगी।

और इसलिए, फिर हर किसी को डैनियल की किताब के बारे में अपनी समझ को अद्यतन करना होगा और चीजों को बदलना होगा। मैंने यह जानने के लिए पुस्तक में पर्याप्त समय बिताया था कि इसमें वास्तव में कुछ भ्रमित करने वाली बातें थीं, और मैं सभी विभिन्न छात्रवृत्तियों को सुलझाना नहीं चाहता था। इसलिए, मैंने इससे दूर रहने की कोशिश की।

लेकिन मेरे जीवन में एक समय जब मुझे अपने बायोडाटा में चीजों की जरूरत थी और मुझे थोड़ी नकदी की जरूरत थी, मुझे डैनियल पर दो सप्ताह का गहन पाठ्यक्रम पढ़ाने का अवसर दिया गया। तो, निश्चित रूप से, मैंने कहा कि मुझे अच्छा लगेगा। मैंने टिप्पणियाँ पढ़ीं और उस पाठ्यक्रम को पढ़ाने की तैयारी में कई बहुत गहन सप्ताह बिताए।

मुझे जो पता चला, उससे मुझे खुशी हुई कि यह किताब वैसी नहीं है जैसा मैंने सोचा था। भविष्य के मानचित्र के बजाय, पुस्तक आज के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है। और यह वह प्रोत्साहन था जिसकी मुझे आवश्यकता थी और मुझे वह प्रोत्साहन मिला जो उन लोगों के लिए अधिक प्रासंगिक था जिन्हें मैंने पढ़ाया था, चाहे वे कक्षा में हों या बाहर।

यह एक ऐसी किताब थी जो आज के लिए मायने रखती है। और मेरे लिए, वह बहुत रोमांचक था। इसलिए, मैं इस पुस्तक को लेकर उत्साहित हूँ।

मैंने इस पर बहुत समय बिताया है, और मैं आपके साथ कुछ चीजें साझा करने के लिए उत्साहित हूँ जो मुझे लगता है कि जब हम पुस्तक के पास आएं तो यह हमारे लिए ला रही है: प्रोत्साहन के शब्द। इसलिए, आने वाले व्याख्यानों में, हम डैनियल की पुस्तक पर अध्याय-दर-अध्याय काम करेंगे। हमारा लक्ष्य सबसे पहले यह समझना है कि डैनियल के मूल दर्शकों ने इसे हमारी सर्वोत्तम क्षमता से कैसे समझा होगा।

जाहिर है, हमने हजारों साल और कुछ महाद्वीपों की हमारी कई भाषाओं और भाषाओं को मूल संदर्भ से हटा दिया है। इसलिए हमें खुद को मूल दर्शकों में रखने की कोशिश करने के लिए बहुत सारा काम करना होगा। लेकिन हम पहले ऐसा करने का प्रयास करना चाहते हैं।

क्योंकि यह केवल तभी होता है जब हम समझते हैं कि लेखक मूल दर्शकों से क्या कह रहा था, तभी हम यह समझ सकते हैं कि यह कैसे लागू होता है या आज हमारे लिए इसका क्या अर्थ है। जब मैं पढ़ता हूँ, तो मुझे कुछ संसाधन, सिफारिशें देना पसंद है। यदि आप इस अध्ययन में पहली बार आ रहे हैं, तो सबसे पहले मैं आपको प्रत्येक व्याख्यान में जाते समय पुस्तक पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करूँगा।

आगे बढ़ने से पहले अध्याय पढ़ें और सुनें कि मुझे इसके बारे में क्या कहना है। लेकिन साथ ही, यदि आप कुछ अतिरिक्त संसाधनों की तलाश कर रहे हैं, विशेष रूप से कुछ कठिन मुद्दों के लिए, तो ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी मैं अनुशंसा कर सकता हूँ। आइए मैं आपको कुछ चीजों का एक त्वरित सर्वेक्षण देता हूँ जो मुझे विशेष रूप से उपयोगी लगीं, संसाधन जो मैंने उपयोग किए हैं या लिखे हैं।

तो, मैं अपने द्वारा लिखे गए एक से शुरुआत करूँगा। यह ज़ोंडरवन की स्टोरी ऑफ़ गॉड बाइबल कमेंटरी श्रृंखला में है। 2015 की तुलना में यह बिल्कुल नई श्रृंखला है।

तो, यह वास्तव में पादरियों और शिक्षकों के लिए लिखी गई है, यहाँ तक कि आम लोगों के लिए भी, जो थोड़ी गहराई से अध्ययन करने में रुचि रखते हैं, लेकिन भाषा की सटीकता या उन सभी विवरणों के साथ नहीं, जो आपको भ्रमित कर सकते हैं यदि आप प्राचीन निकट पूर्वी अध्ययनों से परिचित नहीं हैं। इसलिए, मैं इसकी अनुशंसा करता हूँ। और फिर अगले कुछ वर्षों के भीतर, मैं ज़ोंडरवन से इस श्रृंखला में डैनियल पर एक और पुस्तक लाऊँगा।

कवर कुछ इस तरह दिखते हैं। पुराने नियम पर व्याख्यात्मक टिप्पणी। अगर आपने हिब्रू या अरामी भाषा का अध्ययन किया है तो यह थोड़ा ज़्यादा मददगार होगा।

अगर आपने ऐसा नहीं किया है, तो कुछ लाभ तो होगा ही, लेकिन अगर आप भाषाओं का थोड़ा-बहुत अध्ययन कर लें, तो यह वास्तव में सबसे ज़्यादा फ़ायदेमंद होगा। तो, उम्मीद है कि यह 2020 में सामने आएगा। यही उम्मीद है।

एक और वास्तव में उपयोगी संसाधन है NIVAC, NIV एप्लीकेशन कमेंट्री। यह भी जॉर्डरवन द्वारा है और इसे टेम्पर लॉन्गमैन ने लिखा है। टेम्पर लॉन्गमैन ने पुराने नियम में बहुत काम किया है, और वह ऐसी भाषा बोलने का वास्तव में शानदार काम करता है जिसे लोग समझते हैं।

और इसलिए, वह कुछ बहुत ही जटिल मुद्दों को लेता है और उन्हें ऐसे तरीके से प्रस्तुत करता है जो मददगार होते हैं। वह उन चीजों को दूर कर सकता है जो वास्तव में हमारे लिए आज किताब को लागू करने के तरीके के लिए मायने नहीं रखती हैं। इसलिए, मैं इसकी सिफारिश करूंगा।

यह एक बहुत ही लोकप्रिय श्रृंखला है और इस पुस्तक ने समय के साथ अपनी लोकप्रियता बनाए रखी है। यदि आप थोड़ा और गहराई से जानना चाहते हैं और फिर भी सुसमाचारी बने रहना चाहते हैं, तो मैं अपोलोस ओल्ड टेस्टामेंट कमेंट्री सीरीज़ की सिफारिश करूंगा। यह अर्नेस्ट लुकास द्वारा लिखी गई है।

यह एक इंटरवर्सिटी प्रेस प्रकाशन है और लुकास आपको मुद्दों पर थोड़ा गहराई से ले जाएगा और उन्हें सामने रखेगा। वह सभी विकल्पों को बताने का अच्छा काम करता है और फिर आपको बताता है कि वह किस विकल्प का पक्षधर है, लेकिन यह भी बताता है कि कुछ अन्य विकल्प भी संभव हैं। तो, यह अकादमिक स्तर पर थोड़ा अधिक है, लेकिन मुझे लगता है कि यह अभी भी वास्तव में उपयोगी है।

एक और बहुत लोकप्रिय श्रृंखला जिसका पूरा सेट बहुत से लोगों के पास है, वह है वर्ड बाइबिल कमेंट्री। यह डैनियल है और यह जॉन गोल्डिंगे द्वारा लिखी गई है। वर्ड ने फिर से मुद्दों को सामने रखने का अच्छा काम किया है।

गोल्डिंगे बहुत सारे साहित्यिक दृष्टिकोण अपनाते हैं, इसलिए अगर आपको इसमें रुचि है, तो वह इस काम को बखूबी करते हैं। मुझे यह टिप्पणी पसंद है, लेकिन मुझे वर्ड कमेंट्री में अपना रास्ता ढूँढ़ना मुश्किल लगता है। हर किसी के पास ऐसा अनुभव नहीं होता।

जानकारी बहुत अच्छी है, लेकिन कभी-कभी मेरे लिए इसे ढूँढ़ना थोड़ा कठिन होता है, जो शायद मेरे लिए किताब से कहीं अधिक है। यदि आप अधिक आलोचनात्मक छात्रवृत्ति या मेनलाइन छात्रवृत्ति की ओर बढ़ते हैं, ऐसे विद्वान जो खुद को इंजीलवादी के रूप में नहीं पहचानते हैं, तो वास्तव में दो मानक हैं जो काफी आधुनिक हैं। क्लासिक, मैं क्लासिक कहता हूँ, यह 1993 से है, लेकिन यह एक क्लासिक है, हर्मनिया।

यह जॉन कोलिन्स है। जॉन कोलिन्स ने सर्वनाशी साहित्य पर बहुत सारा काम किया है। यह निश्चित रूप से उनकी विशेषताओं में से एक है।

उसके पास बस उसी विषय पर किताबें हैं। लेकिन यह उपलब्ध सर्वोत्तम क्रिटिकल आधुनिक या अद्यतन क्रिटिकल छात्रवृत्ति है। टिप्पणियों के लिए एक अंतिम पुस्तक कैरल न्यूज़ोम द्वारा लिखित ओल्ड टेस्टामेंट लाइब्रेरी, डैनियल है।

तो, एक ओल्ड टेस्टामेंट लाइब्रेरी है, जो मेरे विचार से नॉर्म पोर्टियस का एक पुराना संस्करण है। यह 2014 में आया था, इसलिए इसे विभिन्न लेखकों के साथ अद्यतन किया गया है, और यह वास्तव में एक उपयोगी संसाधन भी है, लेकिन फिर से, यह अधिक आलोचनात्मक दृष्टिकोण है, मेरे और इंजीलवादियों के मुकाबले धर्मग्रंथ के बारे में एक अलग दृष्टिकोण है, लेकिन डैनियल पर छात्रवृत्ति के लिए बहुत मददगार। यदि आप एक पादरी या शिक्षक हैं और आप वास्तव में सभी विवरण प्राप्त करना चाहते हैं, तो मैं इसे कैसे लागू करूँ? मैं लोगों को यह कैसे सिखाऊँ? उसके लिए कुछ उत्कृष्ट संसाधन भी मौजूद हैं।

ब्रायन चैपल पादरियों के लिए शानदार किताबें लिखते हैं, और उनकी एक श्रृंखला भी है। डैनियल के अनुसार यह द गॉस्पेल, एक मसीह-केंद्रित दृष्टिकोण है। यह बेकर है, और वह किताब पढ़ता है, लेकिन वह अपना होमवर्क करता है, लेकिन वह वास्तव में आपको यह देखने में भी मदद करता है कि इसे कैसे लागू किया जाए, इसका प्रचार कैसे किया जाए।

प्रचार के बारे में अधिक स्पष्ट रूप से सिडनी ग्रिडनस, फाउंडेशन फॉर एक्सपोजिटरी सेरमंस, प्रीचिंग क्राइस्ट फ्रॉम डैनियल है। यह एर्डमैन का है, और यह भी बहुत मददगार है, मुझे डैनियल का प्रचार करना है, मैं क्या करूँ? सिर्फ सभी विद्वत्ता और सभी विकल्पों को जानना मेरी मदद नहीं करता। मैं इसका प्रचार कैसे करूँ? एक आखिरी किताब, जब हम डैनियल के दूसरे भाग में पहुँचते हैं, तो हम कुछ बहुत ही कठिन विदेशी जल, सर्वनाशकारी साहित्य में प्रवेश करने जा रहे हैं।

यह कठिन है। मुझे लगता है कि दानियेल में सबसे कठिन बात यह है कि अंतिम दो अध्याय हमें विशेष रूप से इज़राइल के इतिहास के उस समय से गुज़ारते हैं जो हममें से बहुतों के लिए अपरिचित है, यानी दूसरा मंदिर काल। हम इसके बारे में बाद में और भी बहुत कुछ बात करेंगे, लेकिन यह वास्तव में एक जटिल, भ्रमित करने वाला इतिहास है जिसमें ऐसे लोगों के नाम हैं जिन्हें हम नहीं जानते, हमें याद नहीं है, ऐसी जगहें हैं जिनसे हम परिचित नहीं हैं, और आप भ्रमित हो जाते हैं।

तो, इंटरटेस्टामेंटल या सेकंड टेम्पल काल के इतिहास को समझने के लिए मुझे जो सबसे अच्छा संसाधन, सबसे पठनीय संसाधन मिला है, आप इसे जो भी नाम देना चाहें, वह एंथनी टॉमसिनो द्वारा है। इसे जीसस से पहले यहूदी धर्म, नए नियम की दुनिया को आकार देने वाली घटनाएँ और विचार कहा जाता है। यह आईवीपी, इंटरवर्सिटी प्रेस द्वारा लिखा गया था।

एक समय था जब यह छपना बंद हो गया था। मुझे यकीन नहीं है कि यह वापस आ गया है, लेकिन आप इंटरनेट पर कुछ भी पा सकते हैं, इसलिए मुझे यकीन है कि यह वहाँ मौजूद है। यह इतिहास पर एक बहुत ही पठनीय, अद्भुत संसाधन है।

इसलिए, मैं उन लेखकों और पुस्तकों का उल्लेख करने का प्रयास करूँगा जिनका मैंने उपयोग किया है, लेकिन यह आपको अध्ययन के लिए कुछ अन्य स्थान प्रदान करता है यदि आप डैनियल की पुस्तक में और अधिक गहराई तक जाने में रुचि रखते हैं। इस पहले व्याख्यान के बाकी हिस्सों में, मैं उन मुद्दों का अवलोकन करना चाहूँगा जो पुस्तक के अध्ययन से संबंधित हैं, और

फिर मैं यह भी देखना चाहता हूँ कि डैनियल की पुस्तक पुराने नियम की समयरेखा, कालक्रम में कैसे फिट बैठती है यहूदी, और बाइबिल की समग्र कहानी। इसलिए, हम एक समयसीमा पर गौर करेंगे और हम मुद्दों पर गौर करेंगे।

तो, डैनियल वास्तव में पुराने नियम में एक अनोखी किताब है। अंग्रेजी बाइबिल में, यह यशायाह, यिर्मयाह, ईजेकील और डैनियल के बाद आता है। यह प्रमुख पैगम्बरों में से एक है।

यह 12 अध्याय लंबा है, लेकिन यह वास्तव में अद्वितीय है। यह अन्य पैगम्बरों की तरह भविष्यसूचक पुस्तक नहीं है। इसमें कथात्मक कहानियाँ हैं।

डैनियल और शेर की मांद, यह भविष्यवाणी की तरह नहीं लगता। शद्रक, मेशक, और अबेदनगो भी भविष्यवाणी की तरह नहीं लगते। तो, इसमें वास्तव में अनोखी कहानियाँ हैं जो बहुत यादगार हैं और मनोरंजक भी हैं, लेकिन फिर भी इसे एक भविष्यसूचक पुस्तक माना जाता है।

तो, इसके वास्तव में दो अलग-अलग खंड हैं। प्रथम भाग ये आख्यानात्मक कहानियाँ हैं। दूसरे भाग में ये जंगली और निराले दृश्य हैं।

और यह समझने की कोशिश करना एक चुनौती है कि वे दो चीज़ें एक किताब में एक साथ कैसे फिट होती हैं। तो इसकी दो अलग-अलग शैलियाँ हैं। डैनियल की पुस्तक के बारे में एक और बात जो वास्तव में अनोखी है वह यह है कि यह दो भाषाओं में उपलब्ध है।

इसलिए, पुराने नियम का अधिकांश भाग हिब्रू में लिखा गया है। और कुछ किताबें हैं जिनमें अरामाइक के छोटे-छोटे टुकड़े हैं, जो एक सहयोगी भाषा है जिसके बारे में हम थोड़ा और बात करेंगे। लेकिन डैनियल के हिब्रू में छह अध्याय हैं, और अरामी में छह अध्याय हैं।

पुराने नियम में एकमात्र अन्य पुस्तक जिसमें महत्वपूर्ण मात्रा में अरामी भाषा है वह एज्रा है। इसलिए, एज्रा को निर्वासन के बाद उस समुदाय के लिए लिखा गया था जो अपनी भूमि पर लौट रहा था। और वे उस समय एक फ़ारसी प्रांत थे।

और उस समय की व्यावसायिक भाषा, अरामी भाषा थी। तो, एज्रा की पुस्तक में कुछ पत्राचार दर्ज है। और हमारे लिए यह कोई असामान्य बात नहीं है कि हम किसी हिब्रू किताब में हों, लेकिन पत्र-व्यवहार अरामी भाषा में लिखा हो, क्योंकि अक्षर वास्तव में इसी भाषा में लिखे गए होंगे।

इसलिए, जब फारसी राज्यपाल और राजा एक दूसरे को पत्र लिख रहे थे, तो वह अरामी भाषा में था। इसलिए, हम एज्रा में इसकी व्याख्या कर सकते हैं। जब हम दानियेल के पास पहुँचते हैं, तो हम पहले अध्याय से गुजरते हैं, जो दानियेल और उसके दोस्तों को बंदी बनाए जाने की कहानी है।

वे राजा का खाना न खाने का फैसला करते हैं। अध्याय एक। अध्याय दो में नबूकदनेस्सर द्वारा इस भव्य मूर्ति का सपना देखने की कहानी बताई गई है।

वह नहीं जानता कि इसका क्या मतलब है। लेकिन इससे पहले कि आप उस कहानी में आगे बढ़ें, भाषा अरामी में बदल जाती है। और यह अध्याय दो से श्लोक चार, अध्याय तीन, अध्याय चार, अध्याय पाँच, अध्याय छह तक अरामी ही रहती है, और अध्याय सात में भी यह अरामी ही है।

और फिर यह हिब्रू में वापस चला जाता है। और वास्तव में इसका कोई मतलब नहीं है। यह क्यों बदला? एक अलग भाषा होने का उद्देश्य क्या है? इसलिए यह पुराने नियम में अद्वितीय है।

यह उस दूसरे भाग और उस सर्वनाशकारी खंड के कारण अद्वितीय है। वास्तव में पुराने नियम में बहुत सारा सर्वनाशकारी साहित्य नहीं है। बाइबल में हमारे लिए सबसे परिचित नया नियम, रहस्योद्घाटन की पुस्तक है, जिसका अर्थ है सर्वनाश, रहस्योद्घाटन।

यह स्पष्ट रूप से सर्वनाश है। और कभी-कभी, जब हम रहस्योद्घाटन पर आते हैं, तो हम कल्पना देखते हैं, और यह जंगली और अजीब है, और हम निश्चित नहीं हैं कि इसकी व्याख्या कैसे करें। वह सर्वनाशकारी साहित्य है।

पुराने नियम में, इस प्रकार की चीज़ एकमात्र स्थान पर दिखाई देती है, वह डैनियल नहीं है। इसलिए यह जानना थोड़ा मुश्किल है कि पुराने नियम के संदर्भ में इसे कैसे समझा जाए। भाषाओं और शैलियों के बारे में एक और बात यह है कि यह डैनियल को कठिन बना देती है।

तो, मैंने आपको बताया है कि इसकी दो शैलियाँ हैं। इसमें हिब्रू और अरामी भाषा है। क्षमा करें, दो शैलियाँ।

इसमें कथा है, और इसमें सर्वनाश भी है। और कथा अध्याय 1 से 6 तक है। सर्वनाश अध्याय 7 से 12 तक है। ठीक है, बहुत साफ और स्वच्छ विभाजन है, है न? इसमें दो भाषाएँ हैं।

इसमें हिब्रू और अरामी भाषा है। खैर, हिब्रू अध्याय 1 है। अध्याय 2 के पहले चार छंद, वास्तव में पहले साढ़े चार छंद, यदि आप तकनीकी रूप से जानना चाहते हैं, और फिर अध्याय 8 से 12 हिब्रू हैं। अरामी भाषा अध्याय 2, 4 बी से शुरू होती है, और अध्याय 7 के अंत तक जाती है, जो मुझे लगता है कि 27 छंद लंबा है।

तो, आपके पास दो शैलियाँ, दो भाषाएँ हैं, लेकिन यह वास्तव में मेल नहीं खाती। इस पुस्तक को विभाजित करने का कोई सुव्यवस्थित तरीका नहीं है। आप यह नहीं कह सकते कि, ठीक है, कथा पूरी तरह से हिब्रू है। सर्वनाश पूरी तरह से अरामी है।

बहुत आसान है। यह एक गड़बड़ है। तो, हम इसके साथ क्या करते हैं? यह बस एक चुनौतीपूर्ण किताब है।

पुराने नियम में यह एक विचित्रता है, जो इसे और भी मज़ेदार बनाती है। इसलिए, जो मुश्किल है वह यह है कि जब हम बाइबल का अध्ययन करने के लिए आते हैं, तो हम पाठ के बारे में कई सवाल पूछना चाहते हैं। यह अखबार उठाने जैसा नहीं है, जो हमारा समय, हमारा स्थान है।

हम संस्कृति को समझते हैं। हम लेख के मुद्दे को समझ सकते हैं। यह किसी उपन्यास को उठाने जैसा नहीं है, जहाँ यह संभवतः किसी ऐसी जगह पर आधारित होता है जिससे हम परिचित हैं।

हम आसानी से समझ सकते हैं कि लेखक का क्या मतलब है। बाइबल एक प्राचीन पुस्तक है। इसे अलग-अलग समय, अलग-अलग जगहों और अलग-अलग लोगों ने लिखा था।

यह हमें नहीं लिखा गया था। व्हीटन में पुराने नियम के विद्वान जॉन वाल्टन को यह कहना अच्छा लगता है कि बाइबिल हमारे लिए नहीं लिखी गई थी, बल्कि यह हमारे लिए लिखी गई थी। तो, बाइबल का अध्ययन करने की युक्ति, या कार्य, यह समझना है कि उसने अपने मूल श्रोताओं से क्या कहा, लेकिन आज हमारे लिए वह प्रासंगिकता क्या है? इसलिए, जब हम इस प्राचीन साहित्य की ओर आते हैं, तो ऐसे कई प्रश्न हैं जो आप पूछना चाहते हैं, और यह सच है, चाहे आप बाइबल में कुछ भी पढ़ रहे हों।

आप पूछना चाहते हैं कि इसे किसने लिखा? तो, लेखक कौन है? और बाइबल की कुछ पुस्तकों के लिए, यह वास्तव में स्पष्ट है। मैं, पॉल, जो भी हो चर्च को। पॉल ने इसे लिखा।

और हम कर सकते हैं, इस बारे में तर्क है कि क्या यह विश्वसनीय है, क्या यह सच है, लेकिन यह बात से परे है। किताब का दावा है कि इसे पॉल ने लिखा है। पुराने नियम में, हमारे पास कुछ, भविष्यवक्ताओं का एक समूह है।

यशायाह, ये वे दर्शन हैं जो आमोस के पुत्र यशायाह को दिखाई दिए। तो, कई बार, लेखक स्पष्ट होता है, और कई बार, ऐसा नहीं होता है। और यह वास्तव में पुराने नियम में बिल्कुल सच है, जहां किताबें, सभी उद्देश्यों के लिए, गुमनाम हैं।

इसे किसने लिखा, इसके बारे में परंपरा हो सकती है, लेकिन किताब कभी भी इसका दावा नहीं करती। तो लेखक कौन है? खैर, डैनियल, शायद? पुस्तक के दूसरे भाग में, इसका बचाव करना काफी आसान है। इसमें कहा गया है, मुझ डैनियल को दर्शन हुए और मैंने कहा, मैंने इसे देखा, इसलिए इसे इस तरह लिखा गया है मानो डैनियल आपको कहानी बता रहा हो।

पुस्तक का पहला भाग लेखकत्व का कोई दावा नहीं करता है। डैनियल के बारे में कहानियाँ हैं, लेकिन यह नहीं कहता कि डैनियल ने उन्हें लिखा है। तो, लेखक, हम वास्तव में नहीं जानते।

दिनांक, पुस्तक कब लिखी गई थी? डैनियल की किताब में, यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है, और मैं आपको यह बताने के लिए अगले व्याख्यान तक इंतजार करवाऊंगा कि यह कितना बड़ा मुद्दा है। कभी-कभी, बाइबिल की किताबों में, हमें इस बात की अच्छी समझ होती है कि जब कोई किताब उन घटनाओं के आधार पर लिखी जाती है जिनके बारे में पहले से ही भविष्यवाणी की गई है या जो चीजें पहले ही घटित हो चुकी हैं, तो ठीक है, यह यहाँ वापस नहीं हुआ क्योंकि वे इस घटना के बारे में बात करते हैं, इसलिए यह कम से कम यहाँ होना चाहिए। तो, आप किताब में जो कहा गया है उसके आधार पर इसे ऐतिहासिक रूप से स्थापित कर सकते हैं, और इस तरह आप बाइबिल की किताब की तारीख तय कर सकते हैं, हालांकि आप हमेशा ऐसा नहीं कर सकते।

तो, लेखक, तिथि, शैली। शैली वास्तव में एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। शैली का मतलब सिर्फ लेखन का प्रकार है।

यह कैसा लेखन है? क्या यह कथा है? क्या यह एक कहानी है? खैर, हम कहानियों को अलग तरह से समझते हैं। क्या यह भविष्यवाणी है? हम भविष्यवाणी को अलग ढंग से समझते हैं। क्या यह वंशावली है? शैली यह तय करती है कि हम किसी चीज़ को कैसे पढ़ते हैं और उसे कैसे समझते हैं।

खैर, दानियेल की पुस्तक में दो अलग-अलग हैं, और उनमें से एक वास्तव में अजीब है, इसलिए हम हमेशा यह सुनिश्चित नहीं कर पाते हैं कि इसका अर्थ कैसे निकाला जाए। पाठक कौन थे? इस पुस्तक का मूल प्राप्तकर्ता कौन था, और उनकी सेटिंग क्या थी? वह ऐतिहासिक संदर्भ क्या है जिसे शायद यह लेखक लेखन के माध्यम से संबोधित कर रहा है, और इसका उद्देश्य क्या है? उन्होंने यह पुस्तक क्यों लिखी? ये सभी ऐसे प्रश्न हैं जो जब आप किसी बाइबिल के अंश या बाइबिल की पुस्तक के पास आते हैं, तो आप कम से कम पूछना चाहते हैं। हो सकता है कि आप उन सभी का उत्तर न दे पाएं, लेकिन आप प्रश्न पूछना चाहते हैं।

देखें कि आप उत्तर के कितने करीब पहुँच सकते हैं। डैनियल इन सभी श्रेणियों के संबंध में सबसे अधिक बहस वाली पुस्तकों में से एक है। यदि आप इनमें से कोई भी टिप्पणी उठाते हैं, तो उनमें से कुछ आपको बहुत ही संक्षिप्त रूप से मुद्दे की जानकारी देंगे, और उनमें से कुछ, जैसे कि आलोचनात्मक विद्वत्ता, जॉन कोलिन्स और कैरोल न्यूज़ोम, आपको विवरण देंगे।

यह विशेष दृष्टिकोण क्यों अपनाया गया है? यह विशेष दृष्टिकोण क्यों अपनाया गया है? खैर, फिर, यहाँ पर एक है। इन सभी प्रश्नों के संदर्भ में यह एक बहुत ही जटिल पुस्तक है। इसलिए, अगले व्याख्यान में, हम इन प्रश्नों को थोड़ा और विस्तार से देखेंगे, विशेष रूप से डैनियल के लिए, लेकिन बस यह जान लें कि जैसे ही हम इस पुस्तक का अध्ययन करने के लिए आते हैं, हमारे पास बहुत सारे प्रश्न होते हैं जिनका हम उत्तर नहीं दे सकते।

हम अपना सर्वश्रेष्ठ कर सकते हैं, और हम देख सकते हैं कि विकल्प क्या हैं, लेकिन बाइबल में विश्वास करने वाले ईसाई भी हैं जो इन सभी चीज़ों पर अलग-अलग विचार रखेंगे। ऐसे आलोचनात्मक विद्वान भी हैं जो उनमें से कुछ पर अलग-अलग विचार भी रखेंगे। तो, यह डैनियल के साथ एक समस्या है।

इससे डैनियल के लिए अध्ययन करना एक चुनौती बन गया है। तो उन प्रश्नों के संदर्भ में मैं बस इतना ही करना चाहता हूँ। मैं इस कक्षा के बाकी समय को बाइबल की कहानी में, पुराने नियम की कहानी में, इज़राइल की कहानी में डैनियल की पुस्तक को स्थापित करना चाहता हूँ, और यहाँ तक कि जहाँ पुराना नियम समाप्त होता है उससे थोड़ा आगे जाना चाहता हूँ।

तो, आइए देखें कि ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। मुझे टाइमलाइन का उपयोग करना पसंद है। मैं एक दृश्य शिक्षार्थी हूँ।

मेरा मार्कर बना रहेगा. तो, हमारे पास यहां जो है वह बाइबिल की कहानी है, और उससे थोड़ा आगे, और थोड़ा अंतराल है जो बाइबिल में दर्ज नहीं है। तो, बाइबिल उत्पत्ति की पुस्तक में सृष्टि की कहानी के साथ शुरू होती है, और मैं उस पर कोई तारीख डालने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ।

हम तीर को उस तरफ जाने देंगे, और सृष्टि के बारे में आपका जो भी नज़रिया है, आप बस तारीख भर दें। तो यह उत्पत्ति में शुरू होता है, दुनिया का निर्माण, और फिर यह हमें कहानी के ज़रिए ले जाता है कि कैसे दुनिया इतनी भ्रष्ट और इतनी बुरी हो जाती है कि भगवान एक ऐसे बिंदु पर पहुँच जाते हैं जहाँ से उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ती है, और यही बाढ़ की कहानी है। खैर, बाढ़ के बाद चीज़ें नीचे की ओर जाती हैं, और नूह के वंशज नूह और उसके पूर्वजों से बेहतर जानते हैं।

इसलिए, जब हम उत्पत्ति 12 पर आते हैं, तो हमें पुराने नियम के इतिहास और बाइबिल की कहानी में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदु मिलता है। उत्पत्ति 12 में, हमें अब्राहम के चरित्र का परिचय मिलता है, और अब्राहम को परमेश्वर द्वारा चुना जाता है और मेसोपोटामिया में अपने घर से बाहर बुलाया जाता है ताकि वह उस देश में जाए जिसे परमेश्वर उसे दिखाने जा रहा है और अंततः उसे और उसके वंशजों को देगा। इसलिए, अब्राहम का बुलावा बाइबिल के बाकी हिस्सों की दिशा तय करता है।

यह परमेश्वर द्वारा अब्राहम को चुना जाना और उसके चुने हुए लोगों का वादा है, जिनके माध्यम से वह दुनिया के लिए अपनी मुक्ति योजना को कार्यान्वित करने जा रहा है। खैर, अब्राहम के वंशज वास्तव में इस भूमि पर कब्जा नहीं करते हैं। वे इस भूमि के मालिक नहीं हैं।

यह उनका नहीं है। यहाँ-वहाँ कुछ टुकड़े हैं, लेकिन वे उस भूमि के मालिक नहीं हैं, और अंततः, उत्पत्ति की पुस्तक के अंत तक, वे उस भूमि पर रहते ही नहीं हैं। उन्हें मिस्र ले जाया गया है क्योंकि भूमि में अकाल है, और मिस्र में भोजन है, और ईश्वर उनके लिए मिस्र जाने का मार्ग तैयार करने के लिए काफी दयालु था।

कुछ साल पहले, उसने यूसुफ को भेजा था - जो नीचे भेजे जाने का सबसे अच्छा तरीका नहीं था। वह अपने भाइयों द्वारा बेचे गए शेकेल में नीचे गया था, लेकिन परमेश्वर ने यूसुफ की स्थिति का उपयोग करके उसे मिस्र में शक्ति के स्थान पर उठाया, ताकि जब इस्राएल की भूमि में उसके लोग भूखे हों, तो वे मिस्र आ सकें, और परमेश्वर ने उनके उद्धार का प्रबंध किया था।

खैर, हालात खराब हो गए। मिस्र में स्थिति खराब हो गई, और लोगों को गुलाम बना लिया गया, और फिरौन, जो यूसुफ को नहीं जानता था, पूरी कहानी नहीं जानता था कि वे वहाँ कैसे पहुंचे और वे क्या कर रहे थे, यहूदियों को पसंद नहीं आया। उस समय उसे इब्रियों पसंद नहीं आया।

उन्हें उनके द्वारा धमकी दी गई थी, और इसलिए उसने उन्हें बंदी बना लिया, और वे मिस्र में बंदी हैं, और वे उत्पीड़न और गुलामी सहते हैं, और वे एक उद्धारकर्ता के लिए चिल्लाते हैं, और भगवान ने मूसा को खड़ा किया, और मूसा अंततः लोगों को मिस्र से बाहर निकालता है जिसे

निर्गमन कहा जाता है। निर्गमन की घटना सामने लायी जा रही है, और इसका वर्णन निर्गमन की पुस्तक में किया गया है, और इसकी तिथि के बारे में अलग-अलग विचार हैं, लगभग 1400 ईसा पूर्व से 1200 ईसा पूर्व तक, ईसा पूर्व से थोड़ा आगे। हम उसमें नहीं जा रहे हैं।

हम इन्हें मोटे तौर पर पलायन की तिथियों के रूप में रखेंगे। परमेश्वर अपने लोगों को बाहर लाता है, उन्हें जंगल में ले जाता है, और अंततः उन्हें वादा किए गए देश में ले जाता है। वे यहोशू के नेतृत्व में वादा किए गए देश में आते हैं, और परमेश्वर उन्हें वह भूमि देता है।

जोशुआ की पुस्तक में, आपको कहानी मिलती है कि वे कैसे हैं; मैं कहूँगा कि वे कैसे भूमि लेते हैं, लेकिन वास्तव में यह है कि उन्हें भूमि कैसे दी जाती है क्योंकि भगवान ऐसा करते हैं। वे ऐसा करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली नहीं हैं। भगवान ही उन्हें भूमि देते हैं, और लोग भूमि में बस जाते हैं, और वे भूमि में थोड़ा बहुत सहज हो जाते हैं, और वे नहीं मिले, उन्होंने उन सभी लोगों को नष्ट नहीं किया जिन्हें भगवान ने उन्हें नष्ट करने के लिए कहा था।

उन्होंने पूरी तरह से भूमि पर कब्जा नहीं किया था, इसलिए उनके कुछ पड़ोसी अभी भी मूर्तिपूजा करने वाले थे, और इसलिए वे थोड़े ज़्यादा ही सहज हो गए, और जिस तरह से परमेश्वर चाहता था कि वे भूमि पर रहें, उस तरह से जीने के बजाय, वे वास्तव में भूमि में रहने वाले कनानियों की तरह बन गए। कुछ लेखकों ने इसे इस्राएलियों का कनानीकरण कहा है। खुद को परमेश्वर के अद्वितीय लोगों के रूप में अलग करने के बजाय, मूसा के माध्यम से उन्हें दी गई वाचा के तहत रहने के बजाय, वे कनानियों की तरह बन गए।

और जब आप न्यायियों की पुस्तक में जाते हैं, तो आपको वास्तव में बहुत ही घिनौना विवरण मिलता है कि कैसे परमेश्वर के लोग परमेश्वर के लोगों की तुलना में कनानियों की तरह बन गए। वे अपने पड़ोसियों की सभी प्रथाओं को देखते हैं, और उन्हें अपना मानते हैं। वे दूसरे देवताओं की पूजा करते हैं और दूसरे देवताओं को बलि चढ़ाते हैं।

न्यायाधीशों की पुस्तक में कुछ सचमुच भयानक कहानियाँ हैं जिन्हें आप अगली बार पढ़ सकते हैं और देख सकते हैं कि वे वास्तव में वाचा के अनुसार कैसे नहीं रहते थे। न्यायाधीशों की पुस्तक के अंत तक, इज़राइल में चीजें एक नैतिक गड़बड़ी हैं। यह सिर्फ एक अराजक गड़बड़ी है, और वे एक राजा के लिए चिल्लाते हैं।

वे एक राजा चाहते हैं जैसा कि उनके पड़ोसियों के पास था, और इसलिए सैमुअल की किताब में, भगवान उनके लिए एक राजा खड़ा करते हैं। पहला राजा शाऊल है, जो अच्छा काम नहीं करता, और परमेश्वर ने उसे अस्वीकार कर दिया है। दूसरा राजा दाऊद है, और दाऊद इस बात का उदाहरण बन जाता है कि परमेश्वर एक राजा में क्या चाहता है।

वह परमेश्वर के हृदय के अनुरूप व्यक्ति है, और परमेश्वर ने डेविड को एक राजवंश का वादा किया है जो हमेशा जीवित रहेगा। अनन्त धार्मिकता अंततः दाऊद के वंश के माध्यम से लाई जाएगी। दाऊद का पुत्र सुलैमान अनेक बातों के लिए प्रसिद्ध है।

इस वर्ग में हम जिस बात की सबसे अधिक परवाह करते हैं वह यह है कि उन्होंने मंदिर का निर्माण कराया। तो, सुलैमान राजा है; ठीक है, आइए पहले डेविड को यहां रखें। लगभग एक हजार ईसा पूर्व डेविड का राजा, मैं यहां केवल गोल संख्याओं के साथ जा रहा हूँ।

उनके बेटे सोलोमन ने उनका उत्तराधिकारी बनाया, उन्होंने पहला मंदिर बनाया, जो भगवान का निवास स्थान था, लेकिन भगवान ने यह स्पष्ट कर दिया कि उन्हें रहने के लिए जगह की आवश्यकता नहीं है। यह वास्तव में वह स्थान था जहाँ लोग परमेश्वर से मिल सकते थे, जहाँ वे एक पवित्र स्थान पर परमेश्वर की आराधना कर सकते थे और उसके लिए अलग रखा गया था। सुलैमान ने अपने शासनकाल में बहुत से अच्छे काम किये, परन्तु उसने बहुत से बुरे भी किये।

इससे भी अधिक घिनौनी कहानियाँ आप बाइबल में पा सकते हैं। जब वह मर गया, तो उसका राज्य उसके पुत्र रहूबियाम को मिल गया। रहूबियाम जवान और मूर्ख था, और उसे अपने पिता के संस्कार विरासत में मिले। सुलैमान ने मंदिर के लिए और अपने महल के लिए भुगतान के लिए लोगों पर भारी अत्याचार किया था।

सुलैमान के अधीन वे बहुत अत्याचारी थे। इसलिए, जब रहूबियाम सिंहासन पर बैठा, तो उसने अपने सलाहकारों से पूछा, मुझे क्या करना चाहिए? क्योंकि लोगों ने कहा, हमारा बोझ हल्का करो; तुम्हारे पिता ने हम पर बहुत कठोर व्यवहार किया था; बोझ हल्का करो। रहूबियाम ने कहा, क्या मुझे उनका बोझ हल्का करना चाहिए या नहीं? उसके पिता के सलाहकारों ने, जो उसके सलाहकारों में से बड़े थे, कहा, निश्चित रूप से बोझ हल्का करो।

और उसके साथियों ने कहा, नहीं, तुम अपने पिता से बेहतर साबित हो सकते हो। तुम अपने पिता से ज़्यादा ताकतवर हो। रहूबियाम ने अपने साथियों की बात सुनी, जो उम्र में उसके करीब थे, और उसने कहा, ठीक है, तुम्हें लगता है कि मेरे पिता बुरे थे? मैं उनसे कहीं ज़्यादा बुरा हूँ। और इसलिए, 922 में रहूबियाम के अधीन, उफ़, यह सही जगह नहीं है। यह वास्तव में यहाँ जाता है।

922, राज्य विभाजित हो गया। आपको इसके लिए कुछ अलग-अलग तारीखें मिलेंगी। मैं 922 पर कायम हूँ, लेकिन राज्य विभाजित हो गया।

उत्तरी राज्य, जिसमें 10 जनजातियाँ थीं, ने यारोबाम को अपना राजा नियुक्त किया। यह उत्तरी राज्य है। इसे तकनीकी रूप से इज़राइल भी कहा जाता है।

दक्षिणी राज्य में 10 जनजातियाँ हैं। दक्षिणी राज्य दक्षिणी राज्य है, नाम बनाए गए हैं, लेकिन आप उन्हें भौगोलिक रूप से याद रख सकते हैं। तकनीकी रूप से यह यहूदा है।

दक्षिणी राज्य में यरूशलेम शामिल है, जो सुलैमान द्वारा बनाया गया मंदिर है। और उनका पहला राजा रहूबियाम है। तो अब हमारे पास विभाजित राज्य है, विभाजित राज्य, इसे कभी-कभी संदर्भित किया जाता है।

हमारे पास उत्तरी राज्य और दक्षिणी राज्य है। यदि आप राजाओं और इतिहास में वृत्तांत पढ़ें, तो उत्तरी राज्य में कोई भी अच्छा राजा नहीं है। वे सभी यारोबाम के मार्गों का अनुसरण करते हैं; वे सभी बुरे हैं, और वे प्रभु की दृष्टि में बुरा करते हैं।

अंततः, 722 में, उत्तरी राज्य असीरिया राष्ट्र के हाथों में चला गया। उस समय, वे बाइबिल की कहानी से गायब हो गए। दक्षिणी राज्य में कुछ अच्छे राजा हुए।

तो, आपने शायद हिजकिय्याह के बारे में सुना होगा। हिजकिय्याह एक अच्छा राजा था। आसा, वहाँ कुछ और भी हैं।

हिजकिय्याह सबसे प्रसिद्ध है, और योशियाह। दो अच्छे राजा। और इन राजाओं के कारण जो परमेश्वर का अनुसरण करते थे, या जैसा कि बाइबल कहती है, जो अपने पिता दाऊद के मार्ग पर चलते थे, परमेश्वर ने दक्षिणी राज्य के जीवन को थोड़ा और बढ़ाया लेकिन यह भी पहचाना कि अभी भी बहुत विद्रोह चल रहा था।

हमारे पास बुरे राजा, अच्छे राजा, बुरे राजा, बुरे राजा, अच्छे राजा और यह परिवर्तन है। और परमेश्वर अपने भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से उस स्थिति में बोलता है। इसलिए, उसके भविष्यद्वक्ता उत्तर और दक्षिण दोनों में आते हैं, और वे लोगों को वाचा में वापस बुला रहे हैं।

वफादार रहें और अनुबंध का पालन करें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो अनुबंध में रखी गई सभी प्रकार की शर्तें पूरी हो जाएंगी। शाप हम पर पड़ेगा। हम निर्वासन में जाने वाले हैं।

इन्हें तब स्थापित किया गया था जब अनुबंध बनाया गया था। यदि आप अनुबंध पर वापस नहीं आते हैं, तो वे चीज़ें घटित होने वाली हैं। तो, आपके पास यशायाह और यिर्मयाह जैसे नाम हैं।

यहेजकेल वास्तव में निर्वासन में है। विलाप तकनीकी रूप से कोई भविष्यद्वक्ता नहीं है। डैनियल, उस पर डटे रहो।

होशे, जोएल और अमोस, 12 और हैं। और वे सभी, अधिकांशतः, इसी इतिहास के अंतर्गत आते हैं। उनमें से कुछ पीछे हैं।

लेकिन वे लोगों से बात कर रहे हैं, उन्हें उस वाचा में वापस बुलाने की कोशिश कर रहे हैं जो भगवान ने उनके साथ सिनाई में बनाई थी। उन्हें विश्वासयोग्य होने के लिए बुलाओ ताकि उनका राज्य कायम रहे। योशियाह 609 में और उससे थोड़ा पहले राजा था।

वह एक अच्छा राजा था। उसने जितने भी सुधार किए, उनसे लोगों में ईश्वर के प्रति आस्था वापस आई। लेकिन 609 में, ओह, एक और बात जो हमें यहाँ रखनी है।

तो, हम इसराइल में जीवन के बारे में बात कर रहे हैं। लेकिन इसराइल एक बहुत बड़ी दुनिया में एक छोटा सा राष्ट्र है। और इसलिए, जब यह सब इसराइल में हो रहा है, तो आप इस बात को ध्यान में रखना चाहते हैं कि बड़े परिदृश्य में विश्व साम्राज्य हैं।

और इन साम्राज्यों में सत्ता परिवर्तन हो रहा है। इसलिए मैं आपके लिए सही तिथियों के करीब पहुंचने की कोशिश करता हूं। तो, विभाजित राजशाही के इन शुरुआती वर्षों में हमारे पास असीरिया विश्व शक्ति के रूप में है।

अशूर वह है जिसके हाथ में उत्तरी राज्य आ जाएगा। लेकिन लगभग 612 में, अशूर बेबीलोन के हाथ में चला गया। 612 वह वर्ष है जब योना के कारण सबसे प्रसिद्ध निनवेह शहर अशूर के हाथ में चला गया, क्योंकि अशूर की राजधानी बेबीलोन के हाथ में चली गई थी।

तो, इस समय बेबीलोन विश्व शक्ति बन जाता है। और वे लगभग 539 तक सत्ता में बने रहते हैं, ठीक यहीं तक। फिर, दृश्य विश्व शक्ति के रूप में फारस की ओर मुड़ जाता है।

और फारस के बाद ग्रीस, खास तौर पर सिकंदर, का शासन होगा, जो हमें सही तारीखों पर ले जाएगा, 332. हम ग्रीस, हेलेनिस्टिक युग की ओर जा रहे हैं। रोम यहीं पर दिखाई देता है।

और यह हमें नए नियम और उससे आगे ले जाएगा। तो विश्व परिदृश्य पर, आपके पास एक दूसरे के साथ युद्धरत विशाल साम्राज्य हैं। मुझे यहाँ कहीं एक नक्शा लगाने की ज़रूरत है।

मैं फिर से उसी पर आऊंगा। और यह शक्ति संघर्ष कि इजरायल, यह छोटा सा राष्ट्र जिसके पास बहुत कम विश्व शक्ति है, अक्सर इन संघर्षों के बीच में फंस जाता है। और वे अपने दम पर खड़े नहीं हो सकते, इसलिए वे एक जागीरदार बन जाते हैं, या वे इन बड़ी शक्तियों में से किसी एक के अधीन हो जाते हैं।

इसलिए, वे उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। खैर, योशियाह, यहाँ 609 में, भुगतान कर रहा था, वह था, यहूदा एक जागीरदार था। 609 में, मिस्र, जो वहाँ नहीं है, अभी भी दुनिया में था, और यह बहुत संघर्ष का कारण बनने वाला एक प्रमुख खिलाड़ी था।

मिस्र का फ़राओ नेको बेबीलोनियों से मिलने के लिए उत्तर की ओर जा रहा था। और योशियाह उसे रोकने के लिए निकल पड़ा क्योंकि वह ऐसा नहीं चाहता था। और योशियाह 609 में युद्ध में मारा गया।

फिर 609 से लेकर 587 तक, यहूदा में राजाओं की एक घूमती हुई कतार है, लगभग एक घूमते हुए दरवाजे की तरह। और मैं आपको सूची में नहीं ले जाऊंगा, लेकिन उनमें से तीन या चार हैं जो योशियाह से लेकर उसके दो बेटों, उसके एक भतीजे तक, यह सब एक गड़बड़ है। और वे बेबीलोन के जागीरदार हैं, विशेष रूप से नबूकदनेस्सर के।

और ज़रूरी नहीं कि वे जागीरदार बनना पसंद करें। और इनमें से कुछ राजा दूसरों की तुलना में थोड़ा ज़्यादा विद्रोह करेंगे और जवाबी हमला करेंगे। आखिरकार, 587 में नबूकदनेस्सर ने इसे हासिल कर लिया।

वह विद्रोही यहूदी राजाओं से तंग आ चुका था। इसलिए, 587 में, वह आता है, और यरूशलेम गिर जाता है। मंदिर जला दिया जाता है, और लोग निर्वासन में चले जाते हैं।

यही तो इस विभाजन का कारण है। डैनियल उन लोगों में से है जिन्हें निर्वासित किया गया है। उसे 587 में निर्वासित नहीं किया गया था।

उसे पहले भी ले जाया गया था, लेकिन याद रखें मैंने आपको बताया था कि नबूकदनेस्सर के खिलाफ कई विद्रोह हुए थे। इसलिए, वह कई बार आया और हर बार लोगों को अपने साथ ले गया। इसलिए दानिय्येल निर्वासन में है।

दानिय्येल इस समय अवधि में निर्वासित के रूप में रह रहा है। दानिय्येल की पुस्तक में, पहले छह अध्याय निर्वासन के दौरान घटित हुई कहानियों को बता रहे हैं, जब दानिय्येल और उसके दोस्त बेबीलोन के राजाओं की सेवा कर रहे थे। वे पहली छह कहानियाँ इसी समय अवधि में सेट की गई हैं।

पुस्तक के दूसरे भाग में डैनियल को जो दर्शन हुए, वह स्वयं जब वह उसे देख रहा था, वह इसी समय अवधि में सेट किया गया है। तो, नबूकदनेस्सर के शासनकाल के दौरान, कुसू के शासनकाल के दौरान। तो, इस अवधि में उनके पास यह विज्ञान है, लेकिन विज्ञान यहां एक समय सीमा की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

विशेष रूप से, वे यहीं इतिहास के एक कालखंड को देख रहे हैं, और एक प्रसिद्ध, कम से कम बाइबिल का अध्ययन करने वाले लोगों के लिए प्रसिद्ध, एंटीओकस चतुर्थ एपिफेन्स, एक सेल्यूसिड राजा था जिसने यहूदा को पुनर्स्थापित किया, उनके जीवन को दयनीय बना दिया। तो, उस पर टिके रहें। मैं एक मिनट में उस पर वापस आऊंगा।

539, निर्वासित लोगों को फ़ारसी साइरस, साइरस के अधीन लौटने की अनुमति है। वह बंदी लोगों को उनकी भूमि पर लौटने की अनुमति देता है। वह उन्हें मंदिरों के पुनर्निर्माण के लिए कुछ धन भी देता है।

इसलिए, लोग 539 में लौट आए, उन्होंने अपने मंदिर का पुनर्निर्माण किया। 515 में, उस नए मंदिर का समर्पण हुआ। तो, हम उसे दूसरा मंदिर कहते हैं।

उम्मीद है, दूसरे मंदिर के समय से लेकर 70 ईस्वी तक, हमारे पास वह समय होगा जिसे अक्सर दूसरा मंदिर काल कहा जाता है। इसी काल में दूसरा मंदिर खड़ा है। तो, इसे 515 में बनाया और पुनः समर्पित किया गया था, और इसे 70 ईस्वी में रोमनों द्वारा नष्ट कर दिया गया था।

अतः इस काल को दूसरा मंदिर काल कहा जाता है। एक और समय सीमा जो यहां आती है और जिसे कभी-कभी इधर-उधर फेंक दिया जाता है, वह है अंतरविधानीय अवधि। और इससे हमारा तात्पर्य पुराने नियम के समाप्त होने और नए नियम के प्रारंभ होने के बीच की अवधि से है।

तो, जैसा कि मैंने कहा, पुस्तकों का दिनांक निर्धारण करना कठिन है, लेकिन मलाकी, जो कि पुराने नियम की अंतिम पुस्तक है, हम लगभग 450 ही कहने जा रहे हैं। वह मलाकी है। मैथ्यू की पुस्तक यीशु के जन्म और उससे आगे का वर्णन कर रही है।

तो, हम यहाँ मोटे तौर पर मैथ्यू की पुस्तक के बारे में ही कहने जा रहे हैं। इसलिए समय की इस अवधि को अंतरविधान काल कहा जाता है। यह दूसरे मंदिर काल का एक छोटा टुकड़ा है।

ठीक है, ग्रीस। सिकंदर महान। सिकंदर महान ने मूल रूप से प्राचीन निकट पूर्व की ज्ञात दुनिया पर कब्ज़ा कर लिया और उसका एक विशाल साम्राज्य था।

वह वही है जो फारस को हराता है। लेकिन सिकंदर बिना किसी योग्य उत्तराधिकारी के युवावस्था में ही मर गया। तो, उसके विशाल साम्राज्य का क्या हुआ? खैर, यह झगड़ालू जनरलों के बीच बंट गया था।

और इसलिए, उनमें से कम से कम चार हैं। इतिहासकार इस बात पर बहस करेंगे कि और भी थे या नहीं। हम उनमें से केवल दो के बारे में ही परवाह करते हैं।

हम जिन दो लोगों के बारे में चिंतित हैं, वे हैं सेल्यूकस और टॉलेमी। P मौन है। सेल्यूकस और टॉलेमी सिकंदर महान के दो सेनापति थे।

जब वह बिना किसी उत्तराधिकारी के मर गया, और उसका विशाल साम्राज्य उसके सेनापतियों में बाँट दिया गया, तो वे दो प्राप्तकर्ता थे। सेल्यूकस को सीरियाई भाग और उससे आगे का हिस्सा मिला, लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, हम बस परवाह करते हैं। अब हमें एक मानचित्र की आवश्यकता है।

इस हिस्से को हटा दो। बहुत ही शानदार प्राचीन पूर्वी नक्शा। यहाँ पर फारस की खाड़ी है।

ठीक है, तुम्हें पता है यह क्या है? मैं तुम्हें बताता हूँ। यह भूमध्य सागर है। यह नील नदी है।

तो अब आप यह भी जानते हैं कि यह मिस्र है। यह कमोबेश फारस की खाड़ी है। हमारे पास सिनाई प्रायद्वीप है, जिसके बारे में हम चिंता नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन यह यहाँ पर है।

यह जॉर्डन नदी है, जो गलील सागर और मृत सागर के बीच बहती है। वह यह है कि। तो अब तुम भी जान गये हो कि यह इजराइल की भूमि है।

अभी तक मानचित्र को ट्रैक नहीं किया है या गूगल पर नहीं खोजा है, तो संभवतः आपको ऐसा करना चाहिए। मिस्र, इजराइल की भूमि। यहाँ पर, हाँ, यह वास्तव में अनुपात से बाहर है, लेकिन फिर भी।

यहीं पर बेबीलोन और फारस आदि देश हैं और सेल्यूकस सिकंदर का उत्तराधिकारी था।

हमें एक नया रंग चाहिए. नीला। यह क्षेत्र सेल्यूकस को प्राप्त हुआ।

यह क्षेत्र टॉलेमी को मिलता है। क्या आप समस्या देख सकते हैं? ये दो जनरल हैं, कम से कम चार में से दो, जो हमेशा क्षेत्र को लेकर झगड़ते रहते हैं। वे सभी अधिक क्षेत्र चाहते हैं।

सेल्यूकस यहाँ सीरिया में है। टॉलेमी यहाँ मिस्र में है। अच्छा, दुःख अच्छा है.

उनके बीच सही कौन है? इजराइल। इसलिए, इजराइल को अक्सर बीच की भूमि कहा जाता है। इसलिए।

वे प्राचीन निकट पूर्व में सत्ता संघर्ष के बीच फंसे हुए हैं। मिस्र, बेबीलोन, फारस। इतिहास में और पीछे, आपको हितियाँ मिलेंगी।

आपके पास सभी तरह के महान साम्राज्य हैं जो क्षेत्र और शक्ति के लिए संघर्ष कर रहे हैं। और वे हमेशा इजराइल से होकर गुजरते रहते हैं। इजराइल बीच की भूमि है।

तो, सिकंदर महान के बाद, हमारे पास सेल्यूकस और टॉलेमी हैं। इस समय अवधि में, इस क्षेत्र पर बहुत सारी लड़ाइयाँ चल रही हैं। और इसलिए, इस समय अवधि के दौरान, यहदा खुद को आगे-पीछे उछालता हुआ पाता है।

तो कभी-कभी वे सेल्यूसिड राजाओं के अधीन होते हैं। कभी-कभी, वे टॉलेमिक राजाओं के अधीन होते हैं। यह आगे-पीछे होता रहता है।

और चीजें कभी भी बहुत अच्छी नहीं होतीं। वे कभी भी स्वतंत्र नहीं होते। वे हमेशा इन दूसरे राजाओं में से किसी एक के अधीन रहते हैं।

तो, यह यहाँ सेल्यूकस है। उफ़, सेल्यूकस। डैनियल के अध्ययन में हमारे उद्देश्यों के लिए उनकी सबसे प्रसिद्ध सफलता एंटीओकस IV है।

तो, एंटीओकस IV लगभग 170 ईसा पूर्व में सेल्यूसिड राजा होगा। और वह मिस्र चाहता है. वह मिस्र की भूमि चाहता है.

इसलिए अधिक क्षेत्र पाने की कोशिश में एंटीओकस IV के बीच लगातार संघर्ष होते रहते हैं। उसे इजराइल से होकर गुजरना होगा। और वहाँ सत्ता संघर्ष है.

इजराइल में ऐसे लोग हैं जो सेल्यूसिड समर्थक हैं। और अन्य लोग कहते हैं, नहीं, टॉलेमी समर्थक। तो, इजराइल में आपके गुट हैं।

और फिर आपके पास ये झगड़ालू राष्ट्र हैं। यह एक गड़बड़ है। तो, इस इतिहास में एक बिंदु पर, एंटीओकस IV मिस्र में हार गया।

हम इस पर बहुत बाद में वापस आएं। यदि आप बहुत रुचि रखते हैं, तो यह वह पुस्तक है जिसकी आप परवाह करते हैं। यह आपको सारी जानकारी बता देगा।

एंटीओकस चतुर्थ मिस्र चला जाता है। और उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ता है। और वापस लौटते समय वह यरूशलेम में यहूदियों पर अपना गुस्सा निकालता है।

और इन घटनाओं के दौरान, उसने अपने सैनिकों से मंदिर को अपवित्र करवा दिया। उन्होंने वेदी पर सूअरों की बलि दी। उन्होंने ग्रीक देवताओं की मूर्तियाँ स्थापित कीं।

मूलतः, वे मंदिर को इस हद तक अपवित्र कर देते हैं कि उसका उपयोग नहीं किया जा सकता। और ऐसा 167 में होता है। इसलिए, 167 में, मंदिर अपवित्र हो जाता है, उसका उपयोग नहीं किया जा सकता।

और इस समय में मसीहाओं की एक श्रृंखला उभर रही है, बेहतर शब्द के अभाव में, जो भविष्य में बेहतर दिनों का वादा कर रहे हैं। हम विद्रोह कर सकते हैं। मेरे पीछे आओ।

मेरे पास जवाब हैं। हमारे पास अलग-अलग संघर्षशील समूह हैं जो अपने दर्शन के अनुसार इसराइल में जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि इसे कैसे चलना चाहिए। 164 में शीर्ष पर पहुंचने वाला समूह मैकाबीज़ और हस्मोनियन हैं।

वे कई नामों से जाने जाते हैं। तो, यह हस्मोनियन राजवंश है। सबसे बड़ा बेटा, जिसे हथौड़ा के नाम से जाना जाता है।

लेकिन मैकाबीज़ वह नाम है जिसे आप याद रखना चाहेंगे। हस्मोनियन्स, मैकाबीज़। और 164 में, उन्होंने विद्रोह करने, मंदिर पर वापस दावा करने, इसे फिर से समर्पित करने के लिए पर्याप्त शक्ति प्राप्त कर ली है।

और 164 के दिसंबर में, उन्होंने आठ दिवसीय उत्सव में शुद्ध मंदिर को फिर से समर्पित किया जो अभी भी हर साल यहूदियों द्वारा मनाया जाता है। यह हनुक्का है। तो वह घटना इसी से जुड़ी है।

मैकाबीन, या मैकाबीन, मैकाबीन विद्रोह के तहत मंदिर का जीर्णोद्धार है। वह 164 है। ठीक है।

यह बहुत सारा इतिहास है। और आप कह रहे हैं कि हम सिर्फ डेनियल की किताब का अध्ययन कर रहे हैं। तुम इतना खो कैसे गये? खैर, डेनियल की दृष्टि यह देख रही है।

अब, वे और भी अधिक देख रहे होंगे, लेकिन निश्चित रूप से, वे इनमें से बहुत सारी घटनाएं देख रहे हैं। और इसलिए, डेनियल इन दृश्यों को देखता है और वह उन्हें लिखता है। और हमारे पास इस भयावहता का यह रिकॉर्ड है जो आगे है।

ये वे लोग हैं जो अभी-अभी निर्वासन से बाहर आ रहे हैं। वे सिर्फ आतंक को पीछे छोड़ गए हैं। और डेनियल को आने वाले समय में और भी भयावहता के दर्शन होते हैं।

तो यह इतिहास का एक क्लैश कोर्स है कि कैसे डैनियल की किताब, जो इस समय अवधि में आती है, उस समय अवधि में होने वाली घटनाओं को बताती है, लेकिन भविष्य के दर्शन भी कराती है जो मुख्य रूप से इस अवधि में आते हैं। ठीक है। वह बहुत सारा इतिहास था, लेकिन मुझे लगता है कि यह हमें उस ओर ले जाने में मदद करता है जहां डैनियल की किताब बाइबिल के संदर्भ में, उस कहानी के संदर्भ में और यहां तक कि कुछ प्राचीन इतिहास के संदर्भ में भी फिट बैठती है।

इसलिए, मुझे लगता है कि हम इस व्याख्यान को यहीं समाप्त कर देंगे और हम वापस आकर उन व्याख्यात्मक प्रश्नों में से कुछ पर अधिक विस्तार से विचार करेंगे।

यह डॉ. वेंडी विडर द्वारा दानिय्येल की पुस्तक पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 1 है, दानिय्येल का परिचय।